भा.कृ.अनु.प.- भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान द्वारा नवोन्मेषी किसान कॉनक्लेव 2025 आयोजित

नई दिल्ली, 23 दिसंबर 2025: भा.कृ.अनु.प.- भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली में 23 दिसंबर 2025 को नवोन्मेषी किसान कॉनक्लेव 2025 का उद्घाटन किया गया। यह आयोजन श्री चौधरी चरण सिंह जी की जयंती के उपलक्ष्य में किया गया। श्री चरण सिंह जी को किसानों की भलाई और खेती में सुधारों के लिए उनके जीवन भर के योगदान के लिए "किसानों के मसीहा" के नाम से जाना जाता है।

किसान दिवस के अवसर पर माननीय केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने किसानों की भूमिका को राष्ट्र-निर्माण की आधारशिला बताते हुए कहा कि "अन्न ही ब्रह्म है और अन्नदाता किसान ब्रह्मा, विष्णु और महेश का स्वरूप है।" किसानों के त्याग, परिश्रम और समर्पण को नमन करते हुए उन्होंने कहा कि आज भारत अन्न, फल, सब्जी और दुग्ध उत्पादन में आत्मनिर्भर बन चुका है।

उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि देश में अनाज उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। इस प्रगति में आधुनिक कृषि पद्धतियों, ICAR द्वारा विकसित उन्नत किस्मों, वैज्ञानिक खेती और तकनीक की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उन्होंने एकीकृत कृषि प्रणाली, प्राकृतिक खेती, उर्वरकों एवं कीटनाशकों के संतुलित उपयोग तथा दलहन और तिलहन में आत्मनिर्भरता पर विशेष बल दिया।

श्री भागीरथ चौधरी, माननीय राज्य मंत्री, कृषि और किसान कल्याण, भारत सरकार ने चौधरी चरण सिंह को श्रद्धांजलि दी और उन्हें एक ईमानदार नेता बताया जिन्होंने अपना जीवन किसानों के कल्याण के लिए समर्पित किया। उन्होंने माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दृष्टिकोण को दोहराया कि "राष्ट्र तभी खुश हो सकता है जब इसके खाद्य प्रदाता खुश हों।" उन्होंने कहा कि भारतीय किसान केवल खाद्य उत्पादक ही नहीं बल्कि देश के सबसे बड़े वैज्ञानिक हैं जो जलवायु परिवर्तन और जल संकट जैसी चुनौतियों के बावजूद लगातार नवाचार करते हैं। उन्होंने स्मार्ट कृषि, एआई, डिजिटल कृषि, ड्रोन और आधुनिक तकनीकों को कृषि प्रणालियों में एकीकृत करने की आवश्यकता पर जोर दिया और कहा कि भारत की विकसित राष्ट्र बनने की यात्रा किसानों की शक्ति और आत्मनिर्भरता पर निर्भर करती है।

डॉ. एम.एल. जाट, सचिव, डेयर एवं महानिदेशक, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद ने किसानों को "राष्ट्र के असली रत्न" के रूप में संबोधित किया। उन्होंने कहा कि किसान दिवस केवल एक प्रतीकात्मक अवसर नहीं है बल्कि यह किसानों की राष्ट्र निर्माण में केंद्रीय भूमिका की याद दिलाने वाला अवसर है। उन्होंने कहा कि किसान "अभ्यास के प्रोफेसर" हैं और उनका फीडबैक आने वाले वर्षों में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के अनुसंधान दिशानिर्देशों को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने "विकसित भारत @2047" की दृष्टि पर प्रकाश डालते हुए कहा कि एक विकसित भारत केवल तभी संभव है जब किसान सशक्त, समृद्ध और अनुसंधान एवं नवाचार में सक्रिय रूप से शामिल हों।

डॉ. डी.के. यादव, उप महानिदेशक (फसल विज्ञान), भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद ने भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान को इस नवाचारी पहल के आयोजन के लिए बधाई दी।

डॉ सी. एच. श्रीनिवास राव, निदेशक भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान नई दिल्ली, ने चौधरी चरण सिंह के दूरदर्शी नेतृत्व को याद किया जिनकी किसान-केंद्रित नीतियों ने कई पीढ़ियों के किसानों को आत्मनिर्भरता और सतत विकास की दिशा में काम करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने "इनोवेटिव और फेलो फार्मर" पहल को एक अनूठा और समयोचित कदम बताया जो जमीनी स्तर के नवाचारों को पहचानने और व्यापक रूप से अपनाने के लिए महत्वपूर्ण है।

इस अवसर पर किसानों के नवाचारों से संबंधित दो पुस्तकें जारी की गईं।

किसानों के बीच आपसी संवाद को प्रोत्साहित करने के लिए विभिन्न तकनीकी सत्रों का आयोजन किया गया, जिनके माध्यम से उन्हें अपने अनुभव साझा करने और नवाचारों को प्रदर्शित करने का मंच मिला। इस कार्यक्रम में कई गणमान्य व्यक्तियों ने सहभागिता की और अपने महत्वपूर्ण विचार साझा किए।

कार्यक्रम का समापन भारतीय कृषि की भावना का उत्सव मनाते हुए एक सांस्कृतिक संध्या के साथ हुआ।

ICAR–IARI Organises Innovative Farmers' Conclave 2025

New Delhi, 23 December 2025: The Innovative Farmers' Conclave 2025 was inaugurated on 23 December 2025 at ICAR–Indian Agricultural Research Institute (IARI), New Delhi, to commemorate the birth anniversary of Shri Chaudhary Charan Singh, popularly known as the *"Kisanon ke Masiha"* for his lifelong contribution towards farmers' welfare and agrarian reforms.

On the occasion of Kisan Diwas, Hon'ble Union Minister for Agriculture & Farmers Welfare, Shri Shivraj Singh Chouhan described the role of farmers as the foundation of nation-building and said, "Food is Brahma, and the food-producing farmer represents Brahma, Vishnu, and Mahesh." Paying tribute to the sacrifice, hard work, and dedication of farmers, he said that today India has become self-reliant in the production of food grains, fruits, vegetables, and milk.

He also highlighted that the country has witnessed a remarkable increase in food grain production. Modern agricultural practices, improved varieties developed by ICAR, scientific farming, and technology have played a crucial role in this progress. He emphasized integrated farming systems, natural farming, balanced use of fertilizers and pesticides, and achieving self-reliance in pulses and oilseeds.

Shri Bhagirath Choudhary, Hon'ble Minister of State for Agriculture & Farmers Welfare, Government of India, paid rich tributes to Shri Chaudhary Charan Singh, describing him as an honest leader who dedicated his life to farmers' welfare. He reiterated the vision of Hon'ble Prime Minister Shri Narendra Modi that *"the nation can be happy only when its food providers are happy."* He emphasised that Indian farmers are not just food producers but the greatest scientists of the country, who innovate continuously despite challenges such as climate change and water scarcity. He called for the integration of smart agriculture, AI, digital agriculture, drones, and modern technologies into farming systems and stated that India's journey towards becoming a developed nation depends on the strength and self-reliance of its farmers.

Dr M.L. Jat, Secretary, DARE & Director General, ICAR, addressed farmers as the *"real jewels of the nation."* He emphasized that Kisan Diwas is not merely a symbolic occasion but a reminder of the central role of farmers in nation-building. He stated that farmers are the *"professors of practice"* and their feedback will play a vital role in shaping ICAR's research guidelines for the coming years. He highlighted the vision of Viksit Bharat @2047, stressing that a developed India is possible only when farmers are empowered, prosperous, and actively involved in research and innovation.

Dr D.K. Yadava, Deputy Director General (Crop Science), ICAR, congratulated ICAR-IARI for organizing this innovative initiative.

Dr Ch. Srinivasa Rao, Director ICAR-IARI, recalled the visionary leadership of Shri Chaudhary Charan Singh, whose farmer-centric policies motivated generations of farmers to work towards self-reliance and sustainability. He described the Innovative and Fellow Farmer initiative as a unique and timely step to identify, document, and disseminate grassroots innovations for wider adoption.

On this occasion, two books documenting farmer innovations were also released.

Various technical sessions were organized to facilitate interaction among farmers, providing a platform to share experiences and showcase innovations. The event was attended by several dignitaries who also shared their valuable remarks.

The programme concluded with a cultural evening celebrating the spirit of Indian agriculture.

(Source: ICAR- Indian Agricultural Research Institute)